अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 119 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 06 मई 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

अण्डमान तथा निकोबार ने पानी के भीतर सबसे बड़े भारतीय ध्वज फहराने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने बंगाल की खाड़ी के प्रमुख पर्यटन स्थल स्वराज द्वीप पर पानी के भीतर सबसे बड़े भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को सफलतापूर्वक फहराकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज़ कराया है। यह विशाल तिरंगा 60 मीटर लंबा और 40 मीटर चौड़ा था, जिसे रिकॉर्ड स्थापित करने की इस विशेष डाइविंग पहल के तहत पानी के भीतर प्रदर्शित किया गया।

इस उपलब्धि में लगभग 200 गोताखोरों ने भाग लिया, जिनमें वन विभाग, मरीन पुलिस तथा निजी डाइविंग विशेषज्ञों के कर्मी शामिल थे। यह कार्यक्रम समन्वित निगरानी में सुबह लगभग 10 बजे संपन्न हुआ। एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अप्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी भी इस ऐतिहासिक प्रयास में डाइविंग टीम के साथ शामिल हुए।

अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य द्वीपों को वैश्विक स्तर पर स्कूबा डाइविंग एवं समुद्री पर्यटन केंद्र के रूप में प्रोत्साहित करना तथा यहां की समृद्ध समुद्री जैव विविधता और संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करना है। पर्यटन विभाग के अनुसार, यह रिकॉर्ड प्रयास अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों, रोमांच प्रेमियों को आकर्षित करने और क्षेत्र

में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

पर्यटन निदेशक श्री विनायक चमाडिया ने कहा कि यह आयोजन द्वीपों के स्वच्छ एवं पारदर्शी जल तथा अद्वितीय समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर करता है, जिससे इन्हें विश्वस्तरीय इको–टूरिज़्म गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा रहा है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व की भागीदारी सरकार की पर्यटन को बढ़ावा देने और द्वीपों की वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। (स्रोत: https://dailypioneer.com/)

ग्रेट निकोबार परियोजना: भारत के समुद्री उदय की आधारशिला

व्यापार और सामरिक शक्ति के संगम पर स्थित ग्रेट निकोबार भारत को क्षेत्रीय नौवहन ढांचे को पुनर्परिभाषित करने तथा सामरिक निर्भरता कम करने का अवसर प्रदान करता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर चल रही बहस ने भारत के दक्षिणतम बिंदु ग्रेट निकोबार द्वीप (जीएनआई) और गलाथिया बे में प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट पोर्ट पर एक बार फिर ध्यान केंद्रित किया है। इस विषय पर चर्चा का केंद्र एक ओर जीएनआई का सामरिक महत्व है, तो दूसरी ओर पर्यावरणीय तथा व्यावसायिक व्यवहार्यता से जुड़ी चिंताएं हैं।

सामरिक दृष्टि से इसका महत्व स्पष्ट है–विशेषकर ऐसे समय में जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर अमेरिका–ईरान तनाव के बाद समुद्री चोकपॉइंट्स वैश्विक चर्चा का विषय बन गए हैं। ये चोकपॉइंट्स व्यापार अवरोध की स्थिति में महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं और रक्षात्मक दृष्टि से विशेष लाभ प्रदान करते हैं। जीएनआई, सिक्स डिग्री चैनल के समीप स्थित है–जो मलाका जलडमरूमध्य से निकलने वाला प्रमुख व्यापार मार्ग है और इसके उत्तरी हिस्से के पश्चिमी किनारे पर स्थित होने के कारण यह महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यापक निगरानी का अवसर प्रदान करता है। यह वह मार्ग है जिससे होकर चीन का बड़ा समुद्री व्यापार गुजरता है।

ग्रेट निकोबार में ट्रांसशिपमेंट हब (टीएसएच) की अवधारणा चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के एक संतुलनकारी विकल्प के रूप में विकसित हुई। वर्ष 2013 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग

अण्डमान तथा निकोबार कमान में फिल्माई गई स्ट्रेटन्यूज़ग्लोबल की डॉक्यूमेंट्री श्रृंखला से निकोबार के एक समुद्र तट का हवाई दृश्य।

द्वारा प्रस्तुत बीआरआई का उद्देश्य ऐतिहासिक व्यापार मार्गों और संपर्क को आधार बनाकर वैश्विक व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था। हालांकि, इसके पीछे सामरिक और आर्थिक प्रभाव विस्तार की नीति भी रही है, जिसमें पारदर्शिता की कमी, ऋण निर्भरता और दोहरे उपयोग वाली अवसंरचना जैसी चिंताएं शामिल

शेष पृष्ठ 4 पर

माननीय उप राज्यपाल ने पोर्ट मोट स्थित ज़ेडपीवीकेवी में 'एकनाथ रानाडे असेंबली हॉल' का उद्घाटन किया

श्री विजय पुरम, 5 मई

विवेकानंद केंद्र ज़िला परिषद विद्यालय, पोर्ट मोट, दक्षिण अण्डमान को एक नए असेंबली हॉल के निर्माण से सुदृढ़ किया गया है, जिसका नाम विवेकानंद केंद्र के संस्थापक एकनाथ रानाडे के सम्मान में रखा गया है। एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी ने आज पट्टिका का अनावरण कर "एकनाथ रानाडे असेंबली हॉल" का उद्घाटन किया। इस समारोह में श्री प्रकाश अधिकारी, अध्यक्ष, ज़िला परिषद दक्षिण अण्डमान, श्रीमती चंचल यादव (आईएएस), आयुक्त–सह–सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्रीमती पूर्वा गर्ग (आईएएस), उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान ज़िला सहित अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, ज़िला परिषद सदस्य तथा अन्य पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

माननीय उप राज्यपाल के विद्यालय परिसर में आगमन पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक सांस्कृतिक गरिमा के साथ फूलों से उनका स्वागत कर उन्हें मंच पर ले गए। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन भी किया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष, ज़िला परिषद दक्षिण अण्डमान ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के निरंतर सहयोग की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के अंतर्गत विद्यालयों के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार किए जाएंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कालीकट और मंगलूटान में दो नए विवेकानंद केंद्र ज़िला परिषद विद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए भूमि ज़िला प्रशासन द्वारा चिन्हित कर अलग कर दी गई है। इसके अतिरिक्त ग्रेट निकोबार, हटबे, स्वराज द्वीप और शहीद द्वीप में भी विद्यालयों के विस्तार की योजना बनाई जा रही है।

सभा को संबोधित करते हुए आयुक्त–सह–सचिव ने शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में विवेकानंद केंद्र के योगदान और देशव्यापी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों ने खूब सराहा। इस दौरान ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान की विकासात्मक पहलों पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें प्रशासन के सहयोग से प्राप्त उपलब्धियों को दर्शाया गया। वृत्तचित्र में माननीय उप राज्यपाल के नेतृत्व में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा स्वराज द्वीप पर सबसे बड़े पानी के भीतर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा मानव श्रृंखला के निर्माण से संबंधित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया। माननीय उप राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। कार्यक्रम का समापन विवेकानंद केंद्र ज़िला परिषद विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सबिता देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने माननीय उप राज्यपाल, सभी गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

माननीय सांसद ने अण्डमान तथा निकोबार पुलिस भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा स्थगित करने की मांग की

श्री विजय पुरम, 5 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने अण्डमान तथा निकोबार पुलिस से अनुरोध किया है कि जून, 2026 में निर्धारित शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) पर पुनर्विचार करते हुए इसे जून, 2026 के बाद आयोजित किया जाए। श्री राय ने बताया कि मई और जून के ग्रीष्मकालीन महीनों के दौरान सरकारी कर्मचारी, जिनमें पुलिस कर्मी भी शामिल हैं, प्रायः अवकाश पर रहते हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भी इस अवधि में अपने परिवारों के साथ मुख्यभूमि की यात्रा पर जाते हैं। सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, माननीय सांसद ने संबंधित अधिकारियों से शारीरिक दक्षता परीक्षा को जून, 2026 के बाद किसी उपयुक्त तिथि पर स्थगित करने का अनुरोध किया है।

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद की उप–समितियां गठित

श्री विजय पुरम, 5 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह (नगरपालिका) विनियमन, 1994 की धारा 18(2) तथा इसके अंतर्गत बनाए गए 'एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से उप–समितियों के चुनाव' संबंधी दिशा–निर्देशों के अनुपालन में, उप–समितियों के चुनाव हेतु अधिसूचना संख्या 1–1/एड्ब्ल्यू/ईआर/एमसी/584 दिनांक 30 अप्रैल, 2026 के माध्यम से जारी की गई थी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद की पांच उप–समितियों के लिए 4 मई, 2026 को निर्धारित समयावधि के भीतर नामांकन पत्र प्राप्त हुए। चूंकि उम्मीदवारों/सदस्यों की संख्या रिक्त पदों की संख्या से अधिक थी, अतः निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5 मई, 2026 को चुनाव संपन्न कराया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रक्रिया के अंतर्गत, वर्ष 2026–2027 के लिए श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद की पांचों उप–समितियों के सदस्यों का विधिवत निर्वाचन किया गया। इसके पश्चात, उप–समितियों के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपनी–अपनी समितियों के अध्यक्ष का चयन भी किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

द्वीपों में ई–कचरा (प्रबंधन) नियम, 2022 के सख्ती से अनुपालन की अपील

श्री विजय पुरम, 5 मई। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सभी संबंधित लोगों, निवासियों, संस्थानों, थोक उपभोक्ताओं, सरकारी विभागों, निजी संगठनों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और इलेक्ट्रॉनिक कचरे से निपटने वाली फर्मों को यह सूचित किया जाता है कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई–कचरा) अपनी जगह पर मैनेज किए जाने वाले सभी ई–वेस्ट को, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किए गए ई–वेस्ट (मैनेजमेंट) नियम, 2022 के नियमों के अनुसार सख्ती से पालन किया जाएगा, जिसे https://cpcb.nic.in/uploads/Projects/E-Waste/e-waste_rules_2022-pdf पर उपलब्ध है या क्यूआर कोड स्कैन करके भी प्राप्त किया जा सकता है। सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा जाता है कि :

1. ऑथराइज्ड हैंडलिंग और डिस्पोजल : नियमों के तहत बताए गए किसी भी तरह के सभी ई–वेस्ट को, जो सृजन मंजूर और प्राधिकृत इकट्ठा और चैनलाइज भारत में कहीं भी मौजूद भंडारण और डिस्पोजल हुआ है, सिर्फ चैनलों के जरिए किया जाएगा और प्राधिकृत ट्रीटमेंट, सुविधाओं तक पहुँचाया जाएगा।

2. मैनिफेस्ट सिस्टम और एनओसी की जरूरत : ई–वेस्ट का परिवहन, पारदर्शिता और ट्रेसेबिलिटी पक्का करने के लिए नियमों के तहत बताए गए मैनिफेस्ट सिस्टम के तहत सख्ती से किया जाएगा। ई–वेस्ट के अंतर्राज्य परिवहन के लिए एएनपीसीसी से पहले अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेना जरूरी है।

3. ऑथराइज्ड एंटिटीज के साथ जुड़ना : बल्क कंज्यूमर, इंस्टीट्यूशन और बिजनेस

शेष पृष्ठ 4 पर

वन विभाग में भर्ती हेतु अभ्यर्थियों के लिए विशेष जहाज़ सेवा की व्यवस्था

श्री विजय पुरम, 5 मई

दक्षिणी द्वीपसमूह में वन विभाग द्वारा चल रही भर्ती प्रक्रिया के मद्देनज़र, जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने अभ्यर्थियों/यात्रियों के परिवहन को सुगम बनाने हेतु विशेष व्यवस्था की है। विभिन्न द्वीपों से आने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में सुविधाजनक रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए एक विशेष जहाज़ यात्रा निर्धारित की गई है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से दूरस्थ एवं दक्षिणी द्वीप क्षेत्रों में रहने वाले पात्र अभ्यर्थियों के लिए समान अवसर एवं सुगमता सुनिश्चित करना है।

इस क्रम में, जहाज़ एमवी कालीघाट 7 मई, 2026 (गुरुवार) को सुबह 7 बजे हैडो घाट से प्रस्थान कर लिटिल अण्डमान, कार निकोबार, चावरा, तरेसा, कछाल एवं ननकौड़ी होते हुए कैंपबेल बे के लिए रवाना होगा। यह जहाज़ 9 मई, 2026 (शनिवार) को दोपहर 12 बजे कैंपबेल बे से उसी मार्ग से होते हुए श्री विजय पुरम के लिए वापसी यात्रा करेगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उक्त यात्रा के लिए यात्री टिकट 6 मई, 2026 (बुधवार) से सुबह 9 बजे से आम जनता के लिए जारी किए जाएंगे। टिकट डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पोर्टल से जुड़ा क्यूआर कोड भी उपलब्ध है। वैकल्पिक रूप से, टिकट स्टार्स टिकटिंग काउंटरों से भी खरीदे जा सकते हैं।

Scan QR Code to open on mobile.

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद की

पृष्ठ 1 का शेष

उप–समितियों के चुनाव का अंतिम परिणाम निम्नानुसार हैः

शिक्षा एवं सामाजिक न्याय (ईएसजे) उप समिति		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	
1.	मंगयारकरसी टी.	अध्यक्ष
2.	पद्मनाभम बी.	सदस्य
3.	राजेश राम	सदस्य
4.	रविचंद्रन वी.	सदस्य
5.	संजीव रेड्डी	सदस्य
वित्त, कराधान एवं लेखा (एफटीए) उप–समिति		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	
1.	गणेशन ए.	अध्यक्ष
2.	अब्दुल इस्लाम	सदस्य
3.	मंगयारकरसी टी.	सदस्य
4.	राजेश राम	सदस्य
5.	शाहुल हमीद एस.	सदस्य
सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (पीएच एंड एस) उप–समिति		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	
1.	पांडिसेल्वी	अध्यक्ष
2.	करुणानिधि सी.	सदस्य
3.	कविता यू.	सदस्य
4.	लक्ष्मी गणेशन	सदस्य
5.	रविचंद्रन वी.	सदस्य
जल कार्य (डब्ल्यूडब्ल्यू) उप समिति		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	
1.	सेल्वी एस.	अध्यक्ष
2.	अब्दुल इस्लाम	सदस्य
3.	जोगा राव वाई.	सदस्य
4.	करुणानिधि सी.	सदस्य
5.	पद्मनाभम बी.	सदस्य
कार्य, नगर नियोजन एवं सुधार (डब्यूटीपी एंड आई)		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	
1.	रमजान अली	अध्यक्ष
2.	अज़ीजुर रहमान	सदस्य
3.	जोगा राव वाई.	सदस्य
4.	संजीव रेड्डी	सदस्य
5.	सोमेश्वर राव आर.	सदस्य

ग्रेट निकोबार परियोजनाः भारत के समुद्री

पृष्ठ 1 का शेष

रही हैं। भारत ने प्रारंभ से ही बीआरआई का विरोध किया, विशेषकर चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को लेकर, जो भारत के दावे वाले क्षेत्र से होकर गुजरता है।

समुद्री क्षेत्र में, भारत के आसपास ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बनटोटा (श्रीलंका), क्यौकफ्यू (म्यांमार) और मालदीव में परियोजनाएं 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का हिस्सा मानी जाती हैं। इनके जवाब में भारत ने 2014 में 'प्रोजेक्ट मौसम' शुरू किया, जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक समुद्री संबंधों को पुनर्जीवित करना था। हालांकि, केवल सांस्कृतिक पहल पर्याप्त नहीं थी, इसलिए भारत ने व्यावहारिक और आर्थिक दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने स्वयं के ट्रांसशिपमेंट हब विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए। केरल के विझिनज़म में गहरे समुद्र का बंदरगाह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो 2024 में चालू हुआ और अब प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

पूर्वी तट पर, प्रमुख समुद्री मार्गों के निकटता के अभाव में ग्रेट निकोबार एक आदर्श स्थान के रूप में उभरता है। यहां प्राकृतिक गहराई, सामरिक स्थिति और व्यापक क्षेत्रीय संपर्क की संभावनाएं इसे एक प्रभावी ट्रांसशिपमेंट हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती हैं। हालांकि, यह एक ग्रीनफील्ड परियोजना है, इसलिए इसके सफल कार्यान्वयन के लिए हवाई अड्डा, ऊर्जा, जल, सहायक उद्योग तथा कुशल तटीय जहाज़रानी नेटवर्क जैसी बुनियादी अवसंरचनाओं का विकास आवश्यक होगा।

भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य व्यापार मार्गों का विविधीकरण और चोकपॉइंट्स पर निर्भरता कम करना है। इस परिप्रेक्ष्य में विझिनज़म और जीएनआई दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन परियोजनाओं का समयक्रम भी महत्वपूर्ण है–2013 में बीआरआई, 2014 में प्रोजेक्ट मौसम, 2015 में विझिनज़म निर्माण की शुरुआत, 2022 में जीएनआई को पर्यावरणीय मंजूरी, 2028 तक प्रथम चरण पूरा करने का लक्ष्य और 2023 में आईएमईईसी की घोषणा।

वर्तमान भू–राजनीतिक परिस्थितियां, विशेषकर अमेरिका–ईरान तनाव, इन परियोजनाओं को और गति दे सकती हैं। विझिनज़म, जीएनआई और आईएमईईसी मिलकर भारत को विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता से मुक्त करने और वैश्विक व्यापार में उसकी स्थिति मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं।

ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित बंदरगाह का महत्व केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भू–राजनीति, भू–अर्थशास्त्र और बदलते वैश्विक संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इतिहास में सिंगापुर को एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने वाले स्टैमफोर्ड रैफल्स की तरह, आज जीएनआई परियोजना पर उठ रही आलोचनाएं भविष्य में परिवर्तनकारी विकास के रूप में देखी जा सकती हैं। (स्रोतः **https://stratnewsglobal.com/**)

द्वीपों में ई–कचरा (प्रबंधन) नियम

पृष्ठ 1 का शेष

सिर्फ एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर)–कम्प्लायंट रजिस्टर्ड रीसाइक्लर और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और सीपीसीबी से सही तरीके से ऑथराइज्ड कलेक्शन एजेंसियों के साथ ही जुड़ेंगे। अनरजिस्टर्ड या अनऑथराइज्ड हैंडलर/सर्विस प्रोवाइडर के साथ जुड़ना पूरी तरह से मना है।

4. इनफॉर्मल हैंडलिंग पर रोक : ई–वेस्ट का इनफॉर्मल कलेक्शन, तोड़ना, ठीक करना या रीसाइक्लिंग पूरी तरह से मना है और इसके लिए लागू एनवायरनमेंटल कानूनों के तहत एक्शन लिया जाएगा।

5. जरूरी रजिस्ट्रेशन और पालन : सभी मैन्युफैक्चरर, प्रोड्यूसर, रिफर्बिशर और रीसाइकलर को सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ईपीआर पोर्टल **https://eprewaste.cpcb.gov.in** पर रजिस्टर करना होगा और ई–वेस्ट कलेक्शन और पर्यावरण के लिए सही रीसाइक्लिंग के लिए अपने तय सालाना टारगेट का पालन करना होगा।

6. पब्लिक पार्टिसिपेशन : आम लोगों को सलाह दी जाती है कि वे गैर–कानूनी ई–वेस्ट हैंडलिंग, प्रोसेसिंग या डिस्पोजल के किसी भी मामले की रिपोर्ट एएनपीसीसी को **dstpcc-andamans@and.nic.in** पर ईमेल करें। ई–वेस्ट की गलत हैंडलिंग से पर्यावरण और पब्लिक हेल्थ पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिसमें मिट्टी का खराब होना, हवा का प्रदूषण और नाजुक पानी के इकोसिस्टम को नुकसान शामिल है। इसलिए सभी स्टेकहोल्डर से ऊपर दिए गए नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की जाती है। यह अण्डमान तथा निकोबार आइलैंड्स में पर्यावरण की सुरक्षा और ई–वेस्ट के सस्टेनेबल मैनेजमेंट के हित में है।

एनडीपीएस मामले में दोषसिद्धि : मादक पदार्थ निरोधक पुलिस थाने के मामले में आरोपी दोषी करार

विजय पुरम, 5 मई

मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक पुलिस थाना (एएनपीएस) ने पूर्व में दर्ज़ एक एनडीपीएस मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित की है।

यह मामला प्राथमिकी संख्या 14/2025 दिनांक 29 नवंबर, 2025 से संबंधित है, जो एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20(b)(ii)(A) के अंतर्गत दर्ज़ किया गया था। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एएनपीएस की छापेमारी टीम ने प्रसेंजित मंडल (आयु 22 वर्ष), पुत्र श्री सुबोध मंडल, मूल निवासी नफरगंज, झारखली थाना, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल, वर्तमान में कनिगा होटल, बाबू लाइन, अबर्डीन में निवासरत, को वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, लंबा लाइन, श्री विजय पुरम के निकास द्वार के सामने रोका।

उसके सामान की तलाशी के दौरान एक कैरी बैग में छिपाकर रखी गई 865 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर ज़ब्त की गई। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के उपरांत आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच मादक पदार्थ निरोधक पुलिस थाना के सहायक उप निरीक्षक संजय यादव द्वारा की गई। उनकी सतर्क जांच एवं समय पर आरोप पत्र प्रस्तुत करने के कारण मामले का सफल अभियोजन संभव हो सका। आरोपी को तत्पश्चात 29 अप्रैल, 2026 को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री विजय पुरम की अदालत द्वारा दोषी करार दिया गया तथा मामले का निस्तारण विधि अनुसार किया गया।

यह दोषसिद्धि मादक पदार्थ निरोधक पुलिस थाना की प्रभावी जांच एवं पेशेवर प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के संकल्प को सुदृढ़ करती है।

मादक द्रव्यों एवं मनःप्रभावी पदार्थों का सेवन तथा तस्करी कानूनन पूर्णतः प्रतिबंधित है और इसके लिए अधिकतम 20 वर्ष तक का कारावास तथा 2,00,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे सतर्क रहें और मादक पदार्थों की तस्करी या नशा संबंधी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। आइए, हम सभी मिलकर एक सुरक्षित और नशा–मुक्त समाज का निर्माण करें। कृपया ऐसी गतिविधियों की सूचना फोन नंबरों 112, 234216, 9434280055 एवं 9531856080 पर दें।

ड्रग तस्कर पकड़ा गया, 8.19 ग्राम मेथाम्फेटामाइन बरामद

विजय पुरम, 5 मई

नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अबर्डीन थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त एक व्यक्ति को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया तथा उसके कब्जे से 8.19 ग्राम मेथाम्फेटामाइन बरामद किया। 3 मई, 2026 को, चनमारी बट के पास एक व्यक्ति द्वारा मेथाम्फेटामाइन की खरीद–फरोख्त किए जाने संबंधी विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर तत्काल एक छापेमारी दल का गठन किया गया। इस दल में निरीक्षक विजय कुमार, थाना प्रभारी अबर्डीन थाना के साथ उप–निरीक्षक शिवा कुमार, दिनेश कुमार जायसवाल, प्रधान आरक्षक सुनील सिंह यादव, मोहम्मद रफीक़ तथा आरक्षक के. जगदीश बाबू, एस.एस. यादव, संदीप केरकेट्टा, एस. रोजा एवं शहबाज अली शामिल थे।

उक्त सूचना स्वतंत्र गवाहों के रूप में शामिल होने हेतु (1) श्री आर. मनीष, पुत्र राजेंद्रन, आयु 25 वर्ष, निवासी एन.के. इंटरनेशनल के निकट, अनारकली, श्री विजय पुरम तथा (2) श्री एम. सतीश कुमार, पुत्र एम. मूक्कैया, आयु 33 वर्ष, निवासी अटलांटा प्वाइंट, श्री विजय पुरम को भी दी गई और उन्हें छापेमारी दल में शामिल होने का अनुरोध किया गया।

टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति मोहम्मद शाकिब, पुत्र सुफियान, आयु 23 वर्ष, निवासी न्यू पहाड़गांव, श्री विजय पुरम को मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्ज़े से 8.19 ग्राम मेथाम्फेटामाइन बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ को मौके पर ही ज़ब्त किया गया तथा सभी कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

यह संपूर्ण कार्रवाई निरीक्षक विजय कुमार, थाना प्रभारी अबर्डीन थाना के नेतृत्व में, श्री दीपेंद्र कुमार सिंह (दानिप्स), एसडीपीओ, दक्षिण अण्डमान के मार्गदर्शन तथा श्रीमती नियति मित्तल, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान ज़िला के समग्र पर्यवेक्षण में संपन्न हुई।

प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक या अवैध गतिविधियों से संबंधित सूचना फोन नंबरों 112 (ईआरएसएस), 03192–232100 (पुलिस कंट्रोल रूम) तथा 03192–236641 (पुलिस अधीक्षक (ज़िला) दक्षिण अण्डमान कार्यालय) को दें। सूचना देने वाले को उचित पुरस्कार दिया जाएगा तथा उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पहाड़गांव पुलिस थाना की कार्रवाईः गांजा के पौधे ज़ब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

श्री विजय पुरम, 5 मई

पहाड़गांव पुलिस थाने की टीम ने नशीले पदार्थों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई में अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रदर्शित करते हुए ड्रग संबंधी अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता नीति को कायम रखा है। पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक 3 गांजे (कैनाबिस) के पौधे ज़ब्त किए तथा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985 के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

1 मई, 2026 को पहाड़गांव थाना पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि तारापदा राउल, जो शटरिंग मिस्त्री है, ने सागरतात कॉलोनी, गाराचरामा बस्ती स्थित अपने किराए के कमरे के पास गांजा के पौधे उगाए हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निरीक्षक साहिल शम्सुद्दीन, थाना प्रभारी, पहाड़गांव थाना के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। तलाशी के दौरान तारापदा राउल के किराए के कमरे के सामने झाड़ियों में एक प्लास्टिक के गमले में छिपाकर रखे गए तीन गांजे के पौधे बरामद हुए। तीनों पौधों को ज़ब्त कर उनका कुल वजन 37 ग्राम पाया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी तारापदा राउल, पुत्र स्वर्गीय गुरुपदा राउल, आयु 34 वर्ष, निवासी गुरुग्राम, पूर्व मिदनापुर, पश्चिम बंगाल (वर्तमान में सागरतात कॉलोनी, गाराचरामा बस्ती में निवासरत) को सभी कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। यह संपूर्ण कार्रवाई श्री दीपेंद्र सिंह, एसडीपीओ, दक्षिण अण्डमान के नेतृत्व तथा श्रीमती नियति मित्तल, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान ज़िला के समग्र पर्यवेक्षण में संपन्न हुई।

हार्बर फेरी सेवाओं के लिए ऑनलाइन दैनिक टिकटिंग प्रणाली शुरू

श्री विजय पुरम, 5 मई

जहाज़रानी सेवा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने हार्बर क्षेत्र में संचालित फेरी सेवाओं के लिए तत्काल प्रभाव से स्टार्स ई–टिकटिंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दैनिक टिकटिंग प्रणाली शुरू करने की घोषणा की है। यह पहल डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा बढ़ाना और फेरी सेवाओं की कार्यक्षमता में सुधार करना है।

इस नई व्यवस्था के तहत, यात्री श्री विजय पुरम में संचालित सभी हार्बर फेरी मार्गों के लिए एकतरफा (वन–वे) तथा आवागमन (राउंड ट्रिप) टिकट ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से बुक किए गए टिकट जारी किए जाने की तिथि पर एकल यात्रा के लिए मान्य होंगे।

इसके अतिरिक्त, मासिक पास की सुविधा के अंतर्गत अब यात्रियों के लिए ऑनलाइन नवीनीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

साथ ही, सुरक्षित एवं सुगम यात्री सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर–आधारित डिजिटल सत्यापन प्रणाली लागू की गई है। सभी दैनिक ई–टिकट और मासिक पास पर एक विशिष्ट क्यूआर कोड होगा, जिसे जेटी पर चेकिंग निरीक्षकों द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्कैन कर तत्काल सत्यापित किया जाएगा।

यात्री इस सुविधा का लाभ आधिकारिक स्टार्स ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** पर जाकर उठा सकते हैं। जहाज़रानी सेवा निदेशालय एवं अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन उन्नत तकनीक के माध्यम से सुरक्षित, विश्वसनीय एवं कुशल जहाज़रानी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस ऑनलाइन दैनिक हार्बर फेरी टिकटिंग प्रणाली के कार्यान्वयन में सीआरआईएस (सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम) का सहयोग रहा है।

प्राप्त विज्ञप्ति में सभी यात्रियों एवं आम जनता से अपील की जाती है कि वे अधिक सुविधाजनक, समय की बचत करने वाले और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव के लिए इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं। हालांकि, यात्रियों की सुविधा के लिए मौजूदा ऑफलाइन टिकट काउंटर भी पूर्ववत कार्य करते रहेंगे।

समर स्पोर्ट्स कोचिंग कैंप 8 मई से

विजय पुरम, 5 मई

खेल एवं युवा कार्य निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार राज्य खेल परिषद, शिक्षा विभाग तथा विभिन्न खेल संघों के समन्वय से 45 दिवसीय समर स्पोर्ट्स कोचिंग कैंप का आयोजन नेताजी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 8 मई से 24 जून, 2026 तक किया जाएगा। पूर्व में निर्धारित 6 मई से 20 जून, 2026 के स्थान पर अब नई तिथियों के अनुसार कैंप आयोजित होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, साइक्लिंग, शतरंज, बैडमिंटन, तीरंदाजी, एथलेटिक्स तथा टेबल टेनिस जैसे खेल विधाओं में पंजीकृत विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि वे 8 मई, 2026 को सुबह 9 बजे उद्घाटन सत्र में भाग लेने हेतु नेताजी स्टेडियम में उपस्थित हों। विद्यार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे उचित खेल पोशाक में आएं तथा अपने साथ पीने के पानी की बोतल अवश्य लाएं।

गरज के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना

श्री विजय पुरम, 5 मई

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 6, 7 और 8 मई को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर गरज के साथ आंधी (30–40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं) तथा बिजली गिरने की प्रबल संभावना है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) एस. बिजू पिल्लै
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस और रणनीतिक निहितार्थों पर सम्मेलन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 05 मई।

प्रधान सेना अध्यक्ष–चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान ने आज नई दिल्ली में एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र (सेंटर फॉर ज्वाइंट वॉरफेयर स्टडीज) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेसरू संज्ञानात्मक क्षमताओं का विस्तार और इसके रणनीतिक निहितार्थ विषय पर एक सम्मेलन का उद्घाटन किया। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ से लेकर चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीओएससी) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित द्वारा परिकल्पित इस सम्मेलन में वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, चिकित्सा विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि, स्टार्टअप्स और शिक्षाविद ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस के उभरते क्षेत्र और इसके रणनीतिक महत्व पर विचार–विमर्श के लिए एकत्रित हुए।

संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र के महानिदेशक, मेजर जनरल (डॉ.) अशोक कुमार (सेवानिवृत्त) ने अपने स्वागत संबोधन में तंत्रिका प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस एक ऐसी प्रक्रिया है जहां मानव मस्तिष्क से तंत्रिका संकेत सार्थक कार्यों और परिवर्तनकारी परिणामों में बदल सकते हैं।

सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक, वाइस एडमिरल आरती सारीन ने उद्घाटन संबोधन में मानव अनुभूति और कम्प्यूटेशनल प्रणालियों के बीच बढ़ते अभिसरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुभूति और गणना के बीच पारंपरिक अंतर तेजी से विलीन हो रहा है जिन्हें कभी काल्पनिक माना जाता था।

आईआईटी दिल्ली के इलेक्ट्रिकल और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. टी. के. गांधी ने ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस को वैचारिक अवधारणा से लेकर अब व्यावहारिक वैज्ञानिक वास्तविकता के रूप में तेजी से विकसित होने की चर्चा करते हुए कहा कि ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस के अनुप्रयोग लोगों के कल्याण और युद्ध क्षेत्र दोनों में विस्तारित हो रहे हैं।

सम्मेलन में ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस की वर्तमान स्थिति, इसके चिकित्सा एवं तकनीकी आयामों और रक्षा क्षेत्र में इसके रणनीतिक अनुप्रयोगों पर केंद्रित कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (मेडिकल) उप प्रमुख एयर मार्शल एस शंकर ने ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस प्रौद्योगिकियों की मौजूदा और भविष्य की स्थिति का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। आईआईटी दिल्ली, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस), प्रगत संगणन विकास केन्द्र (सी–डीएसी) और प्रमुख स्टार्टअप कंपनियों के विशेषज्ञों ने वर्तमान में जारी अनुसंधान, स्वदेशी नवाचार और ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के भविष्य पर चर्चा की।

शपथ पत्र

मैं, के. काबिलन, पुत्र के. कन्ना धासन, निवासी डेयरी फार्म, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :–

1. कि मेरे माता–पिता का वास्तविक एवं सही नाम के. कन्ना धासन एवं के. कविता है।
2. कि त्रुटिवश/गलती से उनके नाम मेरे मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र वर्ष 2018 में, प्रमाणपत्र संख्या 0073143 में के. कन्नाधासन एवं के. कविथा के रूप में अंकित हो गए हैं।
3. कि के. कन्ना धासन एवं के. कविता तथा के. कन्नादासन एवं के. कविथा एक ही व्यक्ति के नाम हैं।
4. कि यह शपथ पत्र उपरोक्त मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र में मेरे माता–पिता के नाम में सुधार हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः यह शपथ पत्र निष्पादित किया गया है।

मैं यह सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र में उल्लिखित सभी बातें मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, राजेश्वरी, पत्नी श्री स्वाम्यक्कन्नु मूकैय्या, निवासी गाराचरमा गाँव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, यह सत्यापित करते हुए निम्नलिखित घोषणा करती हूँ :–

1. कि मेरा वास्तविक नाम राजेश्वरी है, जैसा कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में अंकित है।
2. कि मेरे स्कूल प्रमाण पत्र में मेरा नाम गलत रूप से 'एल राजेश्वरी' अंकित है, जबकि सही नाम 'राजेश्वरी' है।
3. कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से 'मूकैय्या राजेश्वरी' अंकित है, जबकि सही नाम 'राजेश्वरी' है।
4. कि मेरे पासपोर्ट में मेरे पति का नाम गलत रूप से 'स्वाम्यकन्नु मूकैय्या' अंकित है, जबकि सही नाम 'स्वाम्यक्कन्नु मूकैय्या' है।
5. कि 'एल राजेश्वरी', 'मूकैय्या राजेश्वरी' और 'राजेश्वरी' सभी नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
6. कि 'स्वाम्यकन्नु मूकैय्या' और 'स्वाम्यक्कन्नु मूकैय्या' दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
7. कि जहाँ कहीं भी मेरा नाम 'एल राजेश्वरी' या 'मूकैय्या राजेश्वरी' अंकित है, उसे संशोधित कर 'राजेश्वरी' के रूप में पढ़ा, समझा और जाना जाएगा, तथा जहाँ कहीं भी मेरे पति का नाम 'स्वाम्यकन्नु मूकैय्या' अंकित है, उसे संशोधित कर 'स्वाम्यक्कन्नु मूकैय्या' के रूप में सभी प्रयोजनों एवं उद्देश्यों के लिए पढ़ा, समझा और जाना जाएगा।

उपरोक्त पैरा 1 से 7 तक के कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, पी. मुनियास्वामी, पुत्र स्वर्गीय टी. पेरियानन, निवासी होप टाउन, पनिघाट गांव, तहसील फरारगंज, जिला दक्षिण अण्डमान, विधिवत शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करता हूँ :–

1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ तथा इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरा नाम पी. मुनिया स्वामी है तथा मेरी जन्म तिथि 18.03.1991 है।
3. यह कि मेरे राशन कार्ड में मेरा नाम गलती से 'मुनिया स्वामी' दर्ज है तथा मेरी जन्म तिथि भी गलत रूप से 03.08.1992 दर्ज की गई है।
4. यह कि 'मुनिया स्वामी' और 'पी. मुनिया स्वामी' दोनों एक ही व्यक्ति हैं तथा 'पी. मुनिया स्वामी' मेरा सही एवं वास्तविक नाम है।
5. यह कि 03.08.1992 और 18.03.1991 दोनों एक ही व्यक्ति की जन्म तिथियां दर्शाती हैं, तथा 18.03.1991 मेरी सही एवं वास्तविक जन्म तिथि है।
6. यह कि मैं निवेदन करता हूँ कि मेरे नाम को 'मुनिया स्वामी' से 'पी. मुनिया स्वामी' तथा मेरी जन्म तिथि को 03.08.1992 से 18.03.1991 में उक्त दस्तावेज में संशोधित किया जाए।
7. यह कि मैं यह शपथ पत्र अपने नाम के संशोधन हेतु संबंधित प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से दे रहा हूँ, जो सभी प्रयोजनों के लिए आवश्यक है।

उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम

शपथकर्ता

भारतीय पत्रकारों को पुलित्जर पुरस्कार, साइबर अपराध पर रिपोर्टिंग को मिला सम्मान

नई दिल्ली, 05 मई।

दो भारतीय पत्रकारों ने भारत में साइबर अपराध को उजागर करने वाली एक खोजी रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार जीता है। आनंद आरके और सुपना शर्मा को नैटली ओबिको पियर्सन के साथ सोमवार को 'इलस्ट्रेटेड रिपोर्टिंग और कमेंट्री' श्रेणी में विजेता घोषित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार ब्लूमबर्ग के लिए तैयार की गई उनकी रिपोर्ट के लिए मिला।

एक और भारतीय पत्रकार देवज्योत घोषाल इसी श्रेणी में फाइनलिस्ट रहे। उन्होंने दक्षिण–पूर्व एशिया में साइबर अपराध और मानव तस्करी का खुलासा किया था। इस काम में अपराधी भारत समेत कई देशों के लोगों को फंसाकर कैंपों में कैद कर लेते हैं और उनसे दूसरे देशों के लोगों के साथ धोखाधड़ी करवाते हैं। वे बैंकॉक में रहते हैं।

हनोई में रहने वाले रिपोर्टर अनिरुद्ध घोषाल ने 'इंटरनेशनल रिपोर्टिंग' श्रेणी में पुरस्कार जीता। उन्होंने अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जा रहे गुप्त निगरानी उपकरणों की जांच की थी। ये उपकरण पहले सिलिकॉन वैली में बनाए गए थे और बाद में चीन में और विकसित किए गए। इस रिपोर्ट सीरीज में यह भी बताया गया कि चीन और अन्य देश इन उपकरणों का कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं।

अमेरिका के सबसे बड़े पत्रकारिता पुरस्कार, पुलित्जर पुरस्कारों का संचालन यहां कोलंबिया विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा किया जाता है। ब्लूमबर्ग की यह सचित्र रिपोर्ट लखनऊ की न्यूरोलॉजिस्ट रुचिरा टंडन की दिल दहला देने वाली कहानी है। साइबर अपराधियों ने खुद को अधिकारी बताकर उन्हें छह दिनों तक 'नजरबंद' जैसा रखा और उनके बैंक खातों से 2.8 करोड़ रुपये ठग लिए।

पुलित्जर पुरस्कार की घोषणा में कहा गया कि इस रिपोर्ट ने निगरानी और डिजिटल ठगी जैसी बढ़ती वैश्विक समस्याओं को उजागर किया। आनंद मुंबई के एक इलस्ट्रेटर और विजुअल आर्टिस्ट हैं, जिन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं। वहीं, सुपना शर्मा भारत में एक फ्रीलांस खोजी पत्रकार हैं।

सरकार ने दो और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 05 मई।

केन्द्र सरकार ने 3,900 करोड़ रुपये से अधिक के कुल निवेश वाली दो और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी है। इसमें देश की पहली वाणिज्यिक मिनीध माइक्रो–एलईडी डिस्प्ले सुविधा और एक सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा भी शामिल है। डिस्प्ले सुविधा जीएएन (गैलियम नाइट्राइड) प्रौद्योगिकी पर आधारित होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत दो और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी।

मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि स्वीकृत किए गए दो प्रस्तावों के तहत गुजरात में लगभग 3,936 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे और इनसे 2,230 कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड (सीएमएल) गुजरात के धोलेरा में मिनी, माइक्रो–एलईडी डिस्प्ले मॉड्यूल के निर्माण के लिए कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन और एटीएमपी (संयोजन, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग) के लिए एक एकीकृत सुविधा स्थापित करेगी।

इस एकीकृत सुविधा में जीएएन फाउंड्री सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें 6 इंच के वेफर्स पर एपिटैक्सी शामिल है। मिनी, माइक्रो–एलईडी डिस्प्ले पैनल की प्रस्तावित वार्षिक उत्पादन क्षमता 72 हजार वर्ग मीटर है, और मिनी–माइक्रो–एलईडी जीएएन एपिटैक्सी वेफर्स की 24,000 सेट आरजीबी वेफर्स की उत्पादन क्षमता है।

वहीं सुची सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) गुजरात के सूरत में अनिरंतर सेमीकंडक्टरों के निर्माण के लिए एक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा स्थापित करेगी। सुची सेमीकॉन की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1033.20 मिलियन चिप्स प्रति वर्ष है।

श्री वैष्णव ने बताया कि इन दो स्वीकृतियों के साथ देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। इंडिया सेमी–कंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या 12 हो गई है। इसमें लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये का संचयी निवेश शामिल है।

हाईटेक हो रहे अन्नदाता, पीएम किसान ऐप से लेकर मेघदूत तक 4 मोबाइल ऐप से बदला खेती का पूरा खेल

नई दिल्ली, 05 मई।

आज का किसान पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर नई तकनीकों को अपना रहा है. खेती अब सिर्फ खेत तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन के जरिए भी कई काम आसान हो गए हैं. जानकारी हासिल करना हो, मौसम का हाल जानना हो या फसल बेचने की तैयारी, अब सब कुछ मोबाइल ऐप्स के जरिए हो सकता है. सरकार भी किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर जोर दे रही है, ताकि वे कम मेहनत में ज्यादा मुनाफा कमा सकें.

पीएम किसान ऐप उन किसानों के लिए बेहद उपयोगी है, जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं. इस ऐप की मदद से किसान अपनी किस्त का स्टेटस चेक कर सकते हैं, ई–केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, नाम या आधार से जुड़ी जानकारी अपडेट कर सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सभी कामों के लिए अब किसानों को सरकारी दतरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते.

मेघदूत ऐप किसानों के लिए मौसम आधारित सलाह देने वाला एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म है. इसे भारत मौसम विज्ञान विभाग, ICAR और IITM ने मिलकर विकसित किया है.

इस ऐप के जरिए किसान तापमान, बारिश और नमी की जानकारी पा सकते हैं, फसल और पशुपालन से जुड़ी सलाह ले सकते हैं, हर सप्ताह अपडेटेड कृषि सुझाव प्राप्त कर सकते हैं, यह ऐप कई भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे हर क्षेत्र के किसान आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं.

फसल तैयार होने के बाद उसे सही समय पर बाजार तक पहुंचाना भी एक बड़ी चुनौती होती है. किसान रथ ऐप इस समस्या का समाधान करता है. इस ऐप की मदद से किसान घर बैठे ट्रक या अन्य वाहनों की बुकिंग कर सकते हैं, अपनी फसल को समय पर मंडी तक पहुंचा सकते हैं, ट्रांसपोर्ट की परेशानी से बच सकते हैं। इससे फसल खराब होने का खतरा कम होता है और बेहतर दाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है.

पूसा कृषि ऐप भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित किया गया है. यह ऐप किसानों को उन्नत खेती के तरीकों से जोड़ता है.

इस ऐप के जरिए किसान नई कृषि तकनीकों की जानकारी ले सकते हैं, बीज चयन और उर्वरक उपयोग के बारे में सीख सकते हैं, फसल प्रबंधन से जुड़ी सलाह प्राप्त कर सकते हैं, यह ऐप खेती को ज्यादा वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने में मदद करता है.

इतिहास के पन्नों में 06 मईः मुंबई हमले के दोषी अजमल कसाब को सुनाई गई थी फांसी की सजा

नई दिल्ली, 05 मई।

भारत के इतिहास में 6 मई का दिन आतंकवाद के दर्दनाक अध्याय की याद दिलाता है। इसी दिन वर्ष 2010 में मुंबई हमले के दोषी और जिंदा पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब को विशेष अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाते हुए समन्वित हमले किए थे। इन हमलों में होटल, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अंधाधुंध गोलीबारी और विस्फोट किए गए।

सुरक्षा बलों ने बहादुरी दिखाते हुए नौ आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया। कसाब की गिरफ्तारी इस मामले में जांच के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुई, जिससे पूरे हमले की साजिश और उसके पीछे के नेटवर्क का खुलासा हुआ। इस आतंकी हमले में 166 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। कई दिनों तक चले ऑपरेशन के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को नियंत्रित किया, लेकिन इस घटना ने देश की सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद के खतरे को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद 6 मई 2010 को विशेष अदालत ने कसाब को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई। बाद में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस सजा को बरकरार रखा। अंततः 21 नवंबर 2012 को पुणे की यरवदा जेल में उसे फांसी दे दी गई।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1529 – बंगाल के अफगान शासक नसरत शाह को गोगरा नदी के किनारे हुई लड़ाई में बाबर के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा।

1840 – दुनिया की पहली गोंद लगी डाक टिकट 'पेनी ब्लैक' का ग्रेट ब्रिटेन में इस्तेमाल हुआ।

1857 – ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल नेटिव इंफैंटरी की 34वीं रेजिमेंट को भंग किया। रेजिमेंट के सिपाही मंगल पांडेय ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था।

1940 – जॉन स्टेनबेक को उनके उपन्यास 'द ग्रेप्स ऑफ रैथ' के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला।

1942 – फिलीपीन में अमेरिकी सेना की अंतिम टुकड़ी ने जापान के समक्ष समर्पण किया।

1944–गांधी जी को पुणे के आगा खां पैलेस से रिहा किया गया और यह उनके जीवन की अंतिम जेल यात्रा थी।

1954 – लंदन के बगीचे में कई महीने तक दौड़ने का अभ्यास करने वाले मेडिकल छात्र रोजर बैनिस्टर ने एक मील की दूरी को चार मिनट के भीतर पूरा करने का रिकार्ड बनाया. उन्होंने यह दूरी तीन मिनट 59.9 सेकंड में पूरी की।

1960–ब्रिटेन की महारानी की छोटी बहन राजकुमारी मार्गरेट और एंथनी आर्मस्ट्रांग जोन्स का विवाह। लंदन के वेस्टमिन्स्टर एबे में संपन्न इस विवाह समारोह को करीब दो करोड़ लोगों ने टेलीविजन पर देखा।

1976– उत्तर पूर्वी इटली में 6.5 तीव्रता के भीषण भूकंप से कम से कम 1000 लोगों की मौत। भूकंप इतना व्यापक था कि इसके झटके पोलैंड तक महसूस किए गए।

1997– फ्रांस की क्रिस्टिन जेनिन ध्रुव पर पैदल पहुंचने वाली विश्व की प्रथम महिला बनी।

विदारीकंद गर्मी में शरीर को अंदर से ठंडक देने वाली जड़ी–बूटी, स्टैमिना बढ़ाने में कारगर

नई दिल्ली, 05 मई।

सदियों से आयुर्वेद में ऐसी कई गुणकारी जड़ी–बूटियों से असाध्य रोगों का इलाज किया जा रहा है, जो बहुत भी दुर्लभ हैं।

ये जड़ी–बूटियां शरीर को भीतर से ऊर्जा देकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती हैं। ऐसी ही एक दुर्लभ जड़ी–बूटी है विदारीकंद, जिसे भारत में अलग–अलग नामों से जाना जाता है। यह दुर्लभ जड़ी–बूटी न केवल शरीर की ऊर्जा को बढ़ाती है, बल्कि पुराने से पुराने बुखार को भी ठीक करने की क्षमता रखती है।

चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में विदारीकंद को जड़ी–बूटियों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है क्योंकि यह बल प्रदान करती है और प्रजनन क्षमता को भी मजबूत करती है। इसे भद्रकंद और पुष्पमूल के नाम से भी जाना जाता है। विदारीकंद एक बेल (लता) है, जिसकी जड़ों में अदरक जैसी गांठे मिलती हैं। इसकी गांठों को सुखाकर चूर्ण बनाकर इस्तेमाल किया जाता है और कभी–कभार तो इसका अर्क भी बनाकर लिया जाता है। यह रोग और प्रयोग करने की विधि पर निर्भर करता है। विदारीकंद की तासीर ठंडी होती है और यह शरीर में पित्त और वात दोष को संतुलित करता है और भीतर से ठंडक भी देता है।

गर्मियों में शारीरिक कमजोरी को दूर करने के लिए विदारीकंद बेहतरीन औषधि है। इसका प्रयोग कमजोरी, थकान, बुखार, हड्डियों के रोगों, कमजोर प्रजनन क्षमता और वजन बढ़ाने में किया जाता है। अगर बहुत ज्यादा

थकान और कमजोरी महसूस होती है तो दूध के साथ विदारीकंद के चूर्ण का सेवन रात के समय करना चाहिए। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और मांसपेशियों को भी बल मिलता है। इसके अलावा अगर पाचन शक्ति कमजोर है और बार–बार गैस और खट्टी डकार परेशान करती हैं तो मिश्री और ठंडे दूध के साथ सुबह विदारीकंद का सेवन करना चाहिए। इससे पेट की जलन शांत होती है और एसिडिटी से भी छुटकारा मिलता है।

विदारीकंद महिला और पुरुष दोनों में प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखता है। इसके लिए विदारीकंद को अश्वगंधा और शतावरी के साथ लेने से फायदा मिलेगा। हालांकि विदारीकंद के प्रयोग से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें। मधुमेह से पीड़ित लोगों को विदारीकंद के सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि यह रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ा सकता है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं भी बिना चिकित्सक के सलाह के सेवन से बचें। ––आईएएनएस

सांस लेने में दिक्कत से ब्रोंकियल इन्फेक्शन तक, श्वसन क्रिया सुधारने में कपालभाति कारगर

नई दिल्ली, 05 मई।

विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय आए दिन नए –नए योगासनों के अभ्यास के साथ ही उनसे मिलने वाले फायदों के बारे में जानकारी दे रहे है। बढ़ते प्रदूषण, धूल और मौसम के तेज बदलाव के कारण आजकल सांस लेने में दिक्कत, साइनस, खांसी, जुकाम और ब्रोंकियल इन्फेक्शन जैसी श्वसन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में मंत्रालय ने श्वसन क्रिया को मजबूत और स्वस्थ रखने के लिए प्राचीन योग क्रिया कपालभाति को अपनाने की सलाह दी है।

कपालभाति एक शक्तिशाली प्राणायाम है, जो फेफड़ों को साफ करने, सांस की नलियों को खोलने और पूरे श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने में बेहद कारगर माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, हर दिन कपालभाति के कुछ सावधानीपूर्वक चक्र करने से सांस को ताजगी मिलती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और श्वसन क्रिया मजबूत होती है। जिन लोगों को साइनस कंजेशन, लगातार खांसी, जुकाम, राइनाइटिस, साइनसाइटिस, अस्थमा या ब्रोंकियल इन्फेक्शन की शिकायत है, उनके लिए कपालभाति विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो सकती है।

यह क्रिया फेफड़ों से पुरानी हवा और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है।

कपालभाति करते समय तेजी से सांस छोड़नी पड़ती है,

जबकि सांस लेना स्वाभाविक रूप से होता है। इससे फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, ऑक्सीजन का स्तर सुधरता है और श्वसन नलिकाओं में जमा बलगम साफ होता है। नियमित अभ्यास से सांस की नली की सूजन कम होती है और ब्रोंकियल इन्फेक्शन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि कपालभाति न सिर्फ श्वसन तंत्र को मजबूत बनाती है, बल्कि शरीर की अंदर से सफाई भी करती है। यह मस्तिष्क को तरोताजा रखती है और सुबह के समय इसे करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है। ऐसे में एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि शुरुआत में कम चक्रों से अभ्यास शुरू करें और धीरे–धीरे बढ़ाएं। कपालभाति हमेशा खाली पेट करें और अगर किसी को गंभीर बीमारी है, तो डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह से ही अभ्यास करें।

गन्ना किसानों के लिए 365 रुपये प्रति क्विंटल एफआरपी की मंजूरी

नई दिल्ली, 05 मई।

केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए 2026–27 के लिए 10.25 प्रतिशत रिकवरी दर पर 365 रुपये प्रति क्विंटल के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को मंजूरी दी है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने अगामी चीनी सत्र 2026–27 (अक्टूबर–सितंबर) के लिए गन्ने का एफआरपी 10.25 फीसदी की मूल रिकवरी दर पर 365 रुपये प्रति क्विंटल तय करने को अपनी मंजूरी दी है।

श्री वैष्णव ने कहा कि गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है। गन्ना किसानों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि उन चीनी मिलों के मामले में कोई कटौती नहीं की जाएगी, जहां रिकवरी 9.5 फीसदी से कम है। उन्होंने कहा ऐसे किसानों को चीनी सीजन 2026–27 में गन्ने के लिए 338.3 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा।

मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि चीनी सीजन 2026–27 के लिए गन्ने के उत्पादन की लागत (ए2एफएल) 182 रुपये प्रति क्विंटल है। साथ ही 10.25 फीसदी की रिकवरी दर पर 365 रुपये प्रति क्विंटल का यह एफआरपी उत्पादन लागत से 100.5 फीसदी से अधिक है। चीनी सीजन 2026–27 के लिए एफआरपी, मौजूदा चीनी सीजन 2025–26 की तुलना में 2.81 फीसदी अधिक है।

सरकार के इस निर्णय से 5 करोड़ गन्ना किसानों के साथ–साथ चीनी मिलों और संबंधित सहायक गतिविधियों में कार्यरत 5 लाख श्रमिकों को भी लाभ होगा।

आईआईटी मद्रास छात्रों के आइडिया को बाजार तक पहुंचाने में निभा रहा बड़ी भूमिका–केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 05 मई।

केंद्रीय मंत्री श्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को कहा कि आईआईटी मद्रास छात्रों को आइडिया को बाजार तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। इनके द्वारा समर्थन और फंडिंग प्राप्त स्टार्टअप इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने में सफल हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आईआईटी मद्रास के एक कार्यक्रम में चौधरी ने कहा कि शबिल्डिंग्स फॉर भारतश थीम पर उद्योग जगत के दानदाता और एजुकेशन सिस्टम से जुड़े लोग आईआईटी में समाज की भलाई के लिए विकसित हो रही टेक्नोलॉजी को दुनिया तक पहुंचाने के लिए एकत्रित हुए हैं। इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए भारत इनोवेट्स 2026 भी एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। इसके तहत आने वाले दिन में फ्रांस में एक बड़ा आयोजन होने वाला है।

उन्होंने आगे कहा कि आज यहां सर्कुलर इकोनॉमी और हेल्थ सेक्टर से जुड़े हुए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन हुआ है। यहां एग्जिबिशन में आप ब्रेन मैपिंग से लेकर मॉलिक्यूलर टेस्टिंग, मैपिंग से लेकर स्पोर्ट्स साइंस तक के एप्लीकेशन हैं। साथ ही उन्होंने इनोवेशन को बढ़ाने के लिए आईआईटी मद्रास का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था ने छात्रों को आइडिया को बाजार तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है और फंडिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और अन्य चीजों में संस्था द्वारा छात्रों को लगातार मदद की जा रही है। इस कारण आईआईटी मद्रास के सपोर्ट वाले कई स्टार्टअप आईपीओ भी लाने में सफल हुए हैं।

वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अनुसंधान केवल पीएचडी शोध प्रबंधों और अकादमिक प्रकाशनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इससे ऐसे ठोस नवाचार होने चाहिए जिनसे समाज को लाभ हो। उन्होंने कहा कि सरकार ने विभिन्न पहलों के माध्यम से उद्योग, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग देने के लिए अनुसंधान और विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

भारत इनोवेट्स 2026, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है, जिसे भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) कार्यालय के रणनीतिक मार्गदर्शन और सुझावों के साथ शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों में विकसित हो रही अनुसंधान एवं विकास समर्थित टेक्नोलॉजी इनोवेशन क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करना है।

फ्रांस में आयोजित होने वाली इस पहल का लक्ष्य विकास के विभिन्न चरणों में लगभग 100 आशाजनक और अभूतपूर्व टेक्नोलॉजी इनोवेशंस को उद्योग जगत के लोगों, निवेशकों, नीति निर्माताओं, संभावित सहयोगियों और प्रौद्योगिकी भागीदारों सहित वैश्विक दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना है।

भारत का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ तक पहुंचा, 174 प्रतिशत की वृद्धि– केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 05 मई।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 10 सालों में, भारत रक्षा उपकरणों के एक प्रमुख आयातक से एक उभरते हुए निर्यातक के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो एक दशक में 174 प्रतिशत की वृद्धि है और निर्यात वृद्धि 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जो एक दशक में 34 गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि कुल निर्यात में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान निजी क्षेत्र से आया है, जो सहयोगी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़े बदलाव को दर्शाता है।

आज मंगलवार को प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि युद्ध अब केवल शारीरिक शक्ति से ही परिभाषित नहीं होता, बल्कि उन्नत प्रौद्योगिकियों, तत्क्षण डेटा प्रणालियों और स्वचालित प्लेटफार्मों द्वारा संचालित होता है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन ने भारत की संचालन क्षमताओं और वैश्विक प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

वहीं सरकार से मिल रहे बढ़ते समर्थन का जिक्र करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि मौजूदा बजट 2026–27 में इसके लिए 6,81,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है।

भारत के बढ़ते तकनीकी आधार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र अब रक्षा तैयारियों के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने क्वांटम–सुरक्षित संचार क्षमताओं में पहले ही तीव्र प्रगति हासिल कर ली है, जो भविष्य की युद्ध प्रणालियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रमुख क्षेत्रों में सुधारों ने उद्योग की भागीदारी के लिए नए अवसर खोले हैं, जिससे नवाचार चक्र तेज हो रहे हैं और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का व्यापक प्रसार संभव हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्तपोषण प्रणाली और नीतिगत पहलों के माध्यम से सरकारी समर्थन अनुसंधान, विकास और कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है।

आपको बता दें, प्रयागराज में 4 से 6 मई तक आयोजित होने वाले नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 का विषय है "रक्षा त्रिवेणी संगम – जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैनिक कौशल का संगम होता है"। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय सेना की उत्तरी और केंद्रीय कमानों द्वारा सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

भारत की मदद से नाइजीरिया बना पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यातक–रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 मई।

अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से तेल से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो गई हैं और इस बीच तट के किनारे मौजूद अपनी रिफाइनरी के कारण नाइजीरिया पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यातक बनकर उभरा है, जिसे चीन और भारत की सहायता से बनाया गया है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

न्यूज पोर्टल बिजनेस इनसाइडर अफ्रीका के एक आर्टिकल के अनुसार, अफ्रीका के सबसे धनी व्यक्ति अलीको डांगोटे के स्वामित्व वाली लागोस स्थित रिफाइनरी प्रतिदिन 650,000 बैरल की पूरी क्षमता से काम कर रही है और पश्चिम, मध्य और पूर्वी अफ्रीका में ईंधन की आपूर्ति कर रही है।

आर्टिकल में कहा गया है कि इस रिफाइनरी के उत्पाद सेनेगल से मोजाम्बिक तक के बाजारों में पहुंच चुके हैं और अतिरिक्त खेप यूरोप, जिसमें नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं, साथ ही एशिया के कुछ हिस्सों तक भी पहुंच रही है।

आर्टिकल में बताया गया है, "रिफाइनरी का निर्माण चीनी औद्योगिक क्षमता और भारतीय इंजीनियरिंग अनोखे के संयोजन को दर्शाता है, जो पश्चिमी ठेकेदारों से जुड़ी आमतौर पर लंबी समय–सीमा की तुलना में डिलीवरी की गति और परियोजना के पैमाने दोनों को आधार प्रदान करता है।" परियोजना की शुरुआत से ही आठ से अधिक चीनी कंपनियां इसमें शामिल रही हैं, जिन्होंने औद्योगिक आधार प्रदान किया जिससे बड़े पैमाने पर काम पूरा हो सका। भारत की भूमिका इंजीनियरिंग प्रबंधन और परियोजना की निरंतरता पर केंद्रित रही है। आर्टिकल में बताया गया है कि जनवरी में, डांगोटे समूह ने रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स के विस्तार में सहयोग के लिए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) के साथ 35 करोड़ डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू किया है।

आरबीआई ने क्रेडिट कार्ड यूजर्स को दी बड़ी राहत, ड्यू डेट मिस करने के बाद भी नहीं लगेगा जुर्माना!

नई दिल्ली, 05 मई।

आज के दौर में क्रेडिट कार्ड सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी यह रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। शॉपिंग से लेकर बिजली–पानी के बिल तक, हर काम अब कार्ड से आसान हो गया है। लेकिन ड्यू डेट भूलने पर लगने वाले भारी–भरकम चार्जेस अक्सर लोगों के लिए परेशानी बन जाते हैं।

आरबीआई के नए नियमों के तहत अब बैंक ड्यू डेट मिस होते ही तुरंत लेट फीस नहीं वसूल सकेंगे। ग्राहकों को कम से कम 3 दिन का ग्रेस पीरियड मिलेगा। यानी अगर आपकी पेमेंट की आखिरी तारीख 5 तारीख है, तो आप 8 तारीख तक बिना किसी लेट फीस के भुगतान कर सकते हैं। इस दौरान आपका अकाउंट ओवरड्यू नहीं माना जाएगा।

एक और अहम बदलाव यह है कि अब लेट फीस पूरे बिल अमाउंट पर नहीं, बल्कि सिर्फ उस बकाया राशि पर लगेगी जो आपने चुकाई नहीं है। इससे ग्राहकों पर ब्याज और पेनल्टी का बोझ पहले के मुकाबले काफी कम होगा। आरबीआई का उद्देश्य इस प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और उपभोक्ता–हितैषी बनाना है।

पहले एक–दो दिन की देरी भी आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकती थी। लेकिन नए नियम के अनुसार, अगर आप 3 दिन के ग्रेस पीरियड के भीतर भुगतान कर देते हैं, तो आपके क्रेडिट स्कोर पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। हालांकि 'डेज पास्ट ड्यू' की गिनती मूल ड्यू डेट से ही शुरू होगी, लेकिन रिपोर्टिंग और पेनल्टी में 3 दिन की राहत दी जाएगी।

यह बदलाव आरबीआई के अपडेटेड "क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड निर्देश, 2026" के तहत किया गया है। नए नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे। तब तक बैंक और कार्ड कंपनियां अपने सिस्टम को अपडेट करेंगी, इसलिए फिलहाल पुराने नियम ही लागू रहेंगे।

हालांकि यह राहत फायदेमंद है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पेमेंट में लापरवाही करें। समय पर बिल चुकाना ही सबसे सुरक्षित तरीका है, ताकि आप अतिरिक्त ब्याज और कर्ज के बोझ से बच सकें।

कुल मिलाकर, यह नया नियम उन लोगों के लिए राहत भरा कदम है जो कभी–कभार ड्यू डेट मिस कर देते हैं, और इससे डिजिटल बैंकिंग को और ज्यादा भरोसेमंद बनाने में मदद मिलेगी।

UIDAI और NFASU का समझौता, साइबर सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 05 मई।

यूआईडीएआई (Unique Identification Authority of India) और एनएफएसयू (National Forensic Sciences University) ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल फॉरेंसिक को मजबूत बनाने के लिए आपसी सहयोग शुरू किया है।

इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थानों के बीच पांच वर्षों के लिए एक समझौता किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत की डिजिटल पहचान प्रणाली को और सुरक्षित बनाना है।

यह सहयोग छह प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा, जिनमें साइबर सुरक्षा ऑडिट, फॉरेंसिक अनुसंधान, तकनीकी सहायता, शैक्षणिक विकास, सूचना सुरक्षा और नई तकनीकों पर शोध शामिल हैं।

समझौते के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, डीपफेक पहचान और क्रिप्टोग्राफी जैसी उभरती तकनीकों पर संयुक्त शोध किया जाएगा। साथ ही छात्रों के लिए प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जाएंगे।

समझौते का आदान–प्रदान यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक चंद्र वर्मा और एनएफएसयू के प्रोफेसर एस. ओ. जुनारे के बीच हुआ। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

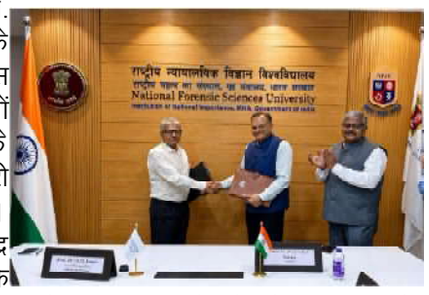

विवेक चंद्र वर्मा ने कहा कि यह सहयोग भारत के डिजिटल ढांचे को और सुरक्षित और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कुल मिलाकर, इस पहल से देश की डिजिटल पहचान प्रणाली की सुरक्षा बढ़ेगी और साइबर खतरों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी।

मेघालय का अनोखा रत्न 'सेवन सिस्टर्स फॉल्स', प्रकृति की शक्ति और सुंदरता समेटे सात जलधाराएं

चेरापूंजी, 05 मई।

भारत के कोने–कोने में प्रकृति की खूबसूरती कई रंगों में बिखरी हुई है, जो न केवल आंखों को सुकून बल्कि मन को भी शांति देती है और हैरत में भी डाल देती है। ऐसी ही जगह है मेघालय की हरी–भरी पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित श्सेवन सिस्टर्स फॉल्सश, जो प्रकृति की अदम्य शक्ति और अपार सुंदरता का एक शानदार नजारा पेश करता है।

सेवन सिस्टर्स फॉल्स को नोहसंगिथियांग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में चेरापूंजी (सोहरा) के पास मावसमाई गांव के निकट स्थित है। यह सात अलग–अलग जलधाराओं में 315 मीटर (लगभग 1,033 फीट) की ऊंचाई से नीचे गिरता है, जो इसे भारत के सबसे ऊंचे झरनों में से एक बनाता है।

मेघालय अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां भारी बारिश के कारण कई शानदार झरने बनते हैं, लेकिन सेवन सिस्टर्स फॉल्स अपनी अनोखी सात धाराओं के कारण सबसे अलग और आकर्षक है। जब मानसून में पानी का बहाव बढ़ता है, तो यह झरना पूरी शक्ति के साथ नीचे गिरता है। गिरते पानी की ताकत से उठने वाली बारीक फुहारों पर सूरज की रोशनी पड़ने से इंद्रधनुष बन जाता है, जो पूरे दृश्य को और भी जादुई बना देता है।

मेघालय के इस खूबसूरत झरने के नाम श्सेवन सिस्टर्सश के पीछे भी एक स्थानीय लोककथा है। इसके अनुसार, सात बहनों को एक ही युवक ने शादी का प्रस्ताव दिया था। ईर्ष्या और दुख से भरकर वे सातों बहनें चट्टान से कूद पड़ीं और सात जलधाराओं में बदल गईं। आज भी जब झरने को देखें तो मानो धुंध और पानी की गड़गड़ाहट इस दुखद कहानी की तस्दीक करती है।

यह झरना न सिर्फ अपनी ऊंचाई और सौंदर्य के लिए मशहूर है, बल्कि चट्टानों पर पानी के निरंतर कटाव का भी जीवंत प्रमाण है। सेवन सिस्टर्स फॉल्स तक पहुंचने के लिए घने जंगल से होकर एक छोटा ट्रेक करना पड़ता है। यह ट्रेक थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन रास्ते में ठंडी हवा, पेड़ों की सरसराहट और मेघालय की प्राकृतिक छटा मन को शांति प्रदान करती है। ट्रेकिंग के अलावा यहां जिप–लाइनिंग का रोमांच भी उपलब्ध है।

मानसून (जून से सितंबर) में झरना अपने पूरे जोर पर होता है। पानी का बहाव इतना तेज होता है कि उसकी आवाज दूर तक सुनाई देती है। अक्टूबर से मई के मौसम में धाराएं शांत और सुंदर पैटर्न बनाती हुई गिरती हैं, जिससे झरने की बारीकियां ज्यादा साफ दिखती हैं।

मेघालय न सिर्फ झरनों के लिए, बल्कि लिविंग रूट ब्रिजेस (जीवित जड़ों के पुलों) के लिए भी प्रसिद्ध है। इनमें नोंग्रियात का डबल डेकर लिविंग रूट ब्रिज सबसे मशहूर है। सेवन सिस्टर्स फॉल्स के लिए निकटतम शिलांग एयरपोर्ट है। वहीं, अन्य प्रमुख एयरपोर्ट में गुवाहाटी का गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट है।–आईएएनएस

सौंफ से पुदीना तक, जानिए कौन से मसाले गर्मियों में शरीर को पहुंचाते हैं ठंडक

नई दिल्ली, 05 मई।

दिल्ली और एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते शरीर तेजी से पानी और जरूरी तत्व खोने लगता है, जिसके कारण कई लोगों को थकान, चक्कर आना, सिरदर्द, पेट में जलन और कमजोरी जैसी समस्याएं आने लगती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, यह शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी का संकेत हो सकता है।

ऐसे मौसम में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि खानपान में ऐसी चीजें शामिल करना भी जरूरी होता है जो शरीर को अंदर से ठंडक देने में मदद करें। कुछ प्राकृतिक मसाले शरीर का तापमान संतुलित रखने, पाचन सुधारने और गर्मी के असर को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

सौंफ– गर्मियों में शरीर के लिए सौंफ बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसमें ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करते हैं। सौंफ पाचन तंत्र को शांत रखने में मदद करती है और पेट में बनने वाली अतिरिक्त गर्मी को कम करती है। कई रिसर्च में यह भी पाया गया है कि सौंफ में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को गर्मी से होने वाले तनाव से बचाने में मदद करते हैं। गर्मियों में सौंफ का पानी पीने से शरीर में ताजगी बनी रह सकती है और लू लगने का खतरा भी कम हो सकता है।

धनिया के बीज– गर्मी में शरीर को राहत देने वाले मसालों में धनिया के बीज भी गिने जाते हैं। धनिया शरीर में सूजन और गर्मी को कम करने में मदद करता हैं। आयुर्वेद में इसे शरीर के पित्त को संतुलित करने वाला माना गया है। डॉक्टरों का कहना है कि धनिया का पानी पाचन को बेहतर बनाता है और पेट में जलन जैसी समस्याओं को कम करता है। वहीं ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में भी सहायक होता है।

इलायची– इलायची भी गर्मियों में काफी फायदेमंद मानी जाती है। यह पेट में गैस, भारीपन और एसिडिटी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करती है। कई लोग गर्मी में मुंह सूखने और बेचौनी की शिकायत करते हैं, ऐसे में इलायची शरीर को हल्का और ताजा महसूस कराने में मदद करती है।

पुदीना– लंबे समय से पुदीना गर्मियों में राहत देने वाली जड़ी–बूटी माना जाता रहा है। इसमें मेंथॉल नामक तत्व पाया जाता है, जो शरीर को ठंडक का एहसास दिलाता है। रिसर्च बताती है कि पुदीना पाचन सुधारने और पेट की ऐंठन कम करने में मदद करता है। गर्मियों में पेट खराब होना, गैस बनना और एसिडिटी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में पुदीने का सेवन पेट को आराम पहुंचाता है।

अमचूर– गर्मियों में शरीर के लिए अमचूर भी लाभकारी माना जाता है। कच्चे आम से बनने वाले इस मसाले में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। यह पाचन सुधारने में मदद करता है और शरीर में ताजगी बनाए रखता है। कुछ शोध बताते हैं कि खट्टे स्वाद वाले प्राकृतिक पदार्थ शरीर में लार और पाचन रसों के निर्माण को बढ़ाते हैं, जिससे भूख बेहतर लगती है और पाचन मजबूत होता है। ––आईएएनएस